केन्द्रीय विद्यालय ओ.ई.एफ. कानपुर

'उड़ान'

(समाचार पत्रिका)

अंक- 18 अप्रैल-2020 वार्षिक अंक - 1

सुश्री निधि पाण्डेय (आई आई एस)
आयुक्त, केंद्रीय विद्यालय संगठन

श्री डी. के. द्विवेदी
उपायुक्त, केंद्रीय विद्यालय संगठन
लखनऊ संभाग

श्री दिनेश चन्द्र श्रीवास्तव
अध्यक्ष,
विद्यालय प्रबंध समिति

डॉ. अनुराग यादव
सहायक आयुक्त, केंद्रीय
विद्यालय संगठन
लखनऊ संभाग

श्री राजगुरु सिंह
प्राचार्य

संपादक मंडल

श्रीमती दुर्गा मिश्रा
मुख्य संपादक

सुश्री रत्ना बरुआ
तकनीकी सहायक

श्रीमती बीना
शुक्ला
संपादक अंग्रेजी

श्री एस. के. मिश्रा
छायांकन

श्रीमती सुधा अग्निहोत्री
संपादक (हिन्दी)

सुश्री पूजा पाठक
छायांकन

FROM THE PRINCIPAL'S DESK

"Greatness is not a function of circumstance.Greatness, it turns out is largely a matter of conscious choice, and discipline."

I feel immense pleasure to present this NEWS LETTER for April-June 2020. Although these days circumstances are not that much favourable for Primary Children but hats off to the little KVains who are adapting so pleasantly our On-Line Classes. I request for the parent body to support us in this regard and try your children attend to On Line Classes on a regular basis and thus adhering to the CONNECTIVITY WITH SCHOOL, TEACHERS AND FRIENDS. We cannot improve academic as well as co-curricular standards without your support and understanding. Hope for the best.

(Raj Guru Singh)
Principal

कार्यवाहक मुख्याध्यपिका की कलम से

अप्रैल-जून 2020 के लिये इस समाचार पत्र को प्रस्तुत करते हुए प्रसन्नता का अनुभव कर रही हूँ। मगर विपरीत परिस्तिथियाँ मन पर एक भारीपन लिये हुए हैं।
महामारी के दौरान परिस्तिथियाँ अत्यंत प्रतिकूल है। अत: बच्चों के पठन पाठन को ऑनलाइन सुचारू रूप से चलाने के लिये अभिभावकों का सहयोग अति आवश्यक है। यहाँ ये कहावत सत्य साबित हुई है कि बच्चों के सम्पूर्ण विकास के लिये "शिक्षक और अभिभावक एक ही गाड़ी के दो पहिये हैं।"
वैसे तो बच्चे शिक्षण कार्य में, पूरी तन्मयता से रुचि ले रहे हैं। ये उनके अनुशासन को परिलक्षित करता है। अधिक आशाओं के साथ -----

श्रीमती दुर्गा मिश्रा
(मुख्य संपादक)

लॉकडाउन में केन्द्रीय विद्यालय ओ.ई.एफ. के प्राथमिक विभाग के बच्चों ने यह दिखा दिया की कोई बाधा इन प्रतिभा उन्मुख बच्चों की गतिविधियों को रोक नहीं सकती है। बच्चों ने इस विकट और विपरीत परिस्थितियों में अपने घरों में रहते हुये विभिन्न क्रिया-कलापों में बढ़-चढ़कर प्रतिभाग करते हुये अपने दृढ़ संकल्प का परिचय दिया। योग विद्या, चित्रकला, मनमोहक नृत्य, कविता पाठ हो या कोई अन्य प्रतियोगिता ही क्यों न हो इन सभी मंचों पर केंद्रीय विद्यालय संगठन द्वारा संचालित विद्यालय की सहपाठ्यगामी क्रिया-कलाप के जैसा और कुछ भी नहीं।

लॉकडाउन के समय शिक्षकों के द्वारा ऑनलाइन निर्देशों का पालन करके नन्हें बच्चों द्वारा की गयी गतिविधियाँ अत्यंत बहुमूल्य, उपयोगी तथा प्रशंसनीय हैं।

रत्ना बरुआ
(सी. सी. ए. प्रभारी)

"बेशक मुश्किल वक़्त बताकर नहीं आता
लेकिन बहुत कुछ सिखाकर, समझाकर जाता है।"

समय भले ही मुश्किल हो लेकिन मुश्किलों का समाधान निकालकर वक्त की बयार में बहते हुए स्वयम् का अस्तित्व बनाये रखना ही बुद्धिमत्ता है। ONLINE CLASSES भी एक बुद्धिमत्तापूर्ण और समय की माँग के अनुसार समाधान है। निशचय ही इसमें अध्यापकों, बच्चों और अभिभावकों का प्रयास सराहनीय रहा और अध्ययन के साथ FUNDAY की गतिविधियों में बढ-चढ़कर बच्चों द्वारा प्रतिभाग सुनिश्चित किया गया। बच्चों ने इस जटिलता में जिस सरलता से सीखा है, वह ताउम्र रहेगा। उज्वल भविष्य के साथ मेरा सभी नन्हें बच्चों को ढेर सारा प्यार ...

पूजा पाठक
(फनडे प्रभारी)

Poster Making--Safety measures against COVID-19

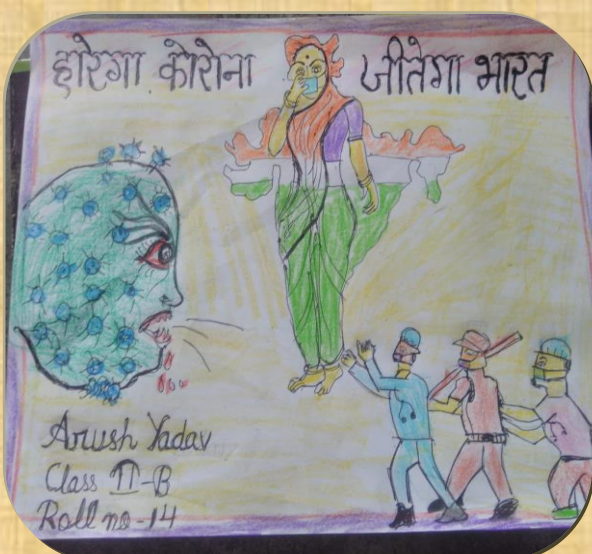

लॉकडाउन के समय सी. सी. ए. के अंतर्गत बच्चों ने कोरोना वायरस से बचने के लिये उपाय दर्शाते हुए पोस्टर बनाए। बच्चे इस कार्यक्रम में बहुत ही सराहनीय कार्य कर रहे हैं। बच्चे शिक्षकों के निर्देशानुसार और अभिभावकों के सहयोग से कार्यक्रम को सफल बना रहे हैं।

MASK MAKING

"भला किसी का कर न सको तो, बुरा किसी का मत करना...
कोरोना रोक नहीं सकते तो, फैलाया भी मत करना।"

FUNDAY के कार्यक्रम के अंतर्गत SKILL DEVELOPMENT में बच्चों ने कोरोना जैसे महामारी से बचने के लिये शिक्षकों के निर्देशानुसार और अभिभावकों के सहयोग से मास्क बना कर बहुत ही सराहनीय कार्य किया।

SLOGAN WRITING - EARTH DAY

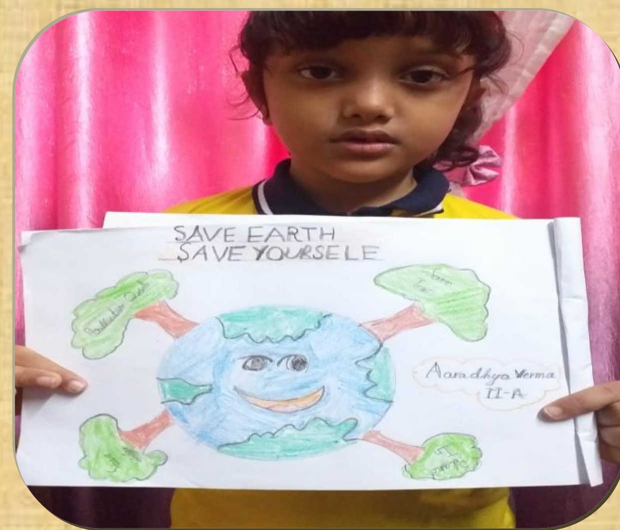

धरती बचाओ, जीवन बचाओ
जीवन खुशहाल बनाओ .....

सी. सी. ए. के अंतर्गत बच्चों ने EARTH DAY पर बहुत ही सुंदर पोस्टर बनाकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। बच्चे अपने घरों में रहकर ऑनलाइन शिक्षण में भी सहपाठ्यगामी क्रियाकलापों बहुत ही सुंदर ढंग से प्रदर्शन कर रहे हैं।

YOGA

"सब रोगों का एक ही समाधान,
योगा करो सुबह और शाम"

केंद्रीय विद्यालय ओ.ई.एफ. के नन्हें मुन्ने बच्चों ने अपने शरीर को स्वस्थ रखने के लिये घरों में रहकर बहुत ही सुंदर योग का प्रदर्शन किया जो कि बहुत ही सराहनीय है।

SOLO DANCE

**“DANCE IS AN ART,
PAINT YOUR DREAM
AND FOLLOW IT”**

लॉकडाउन के समय नन्हें-मुन्ने बच्चों ने अपने मन को प्रसन्न रखने के लिये नृत्य करते हुए सुंदर प्रदर्शन किया।

CREATIVE WORK

**“Creativity
Is
Intelligence
having fun”**

लॉकडाउन के समय नन्हें मुन्ने बच्चों ने अपने मन को प्रसन्न रखने के लिये घर मे उपलब्ध वस्तुओं का प्रयोग करते हुए सुंदर रचनात्मक कार्य किया जो कि बहुत ही सराहनीय है।

ENGLISH CALLIGRAPHY

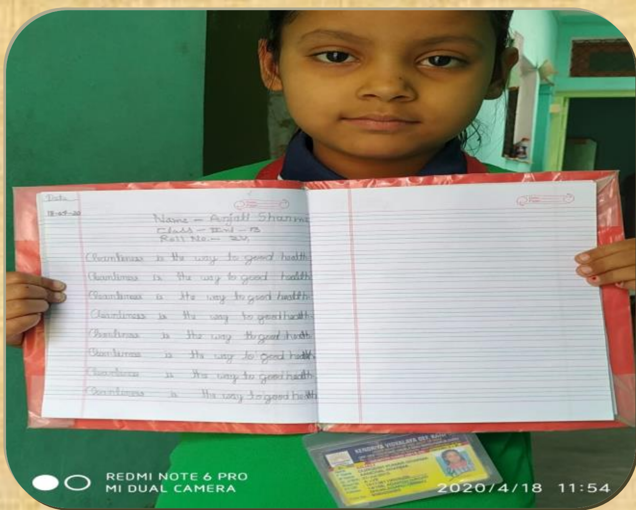

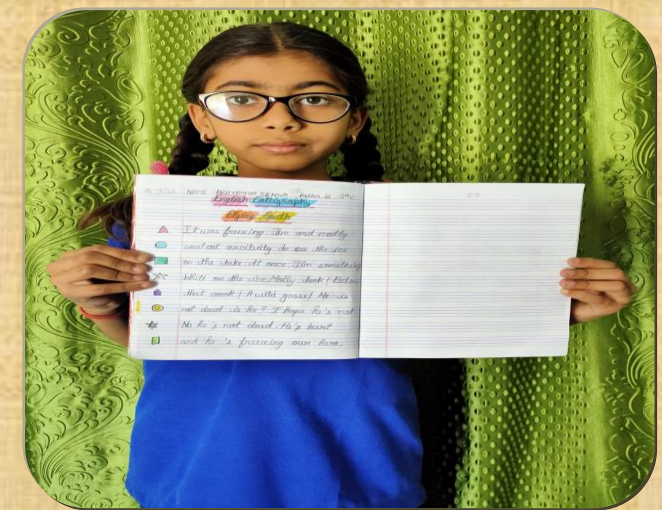

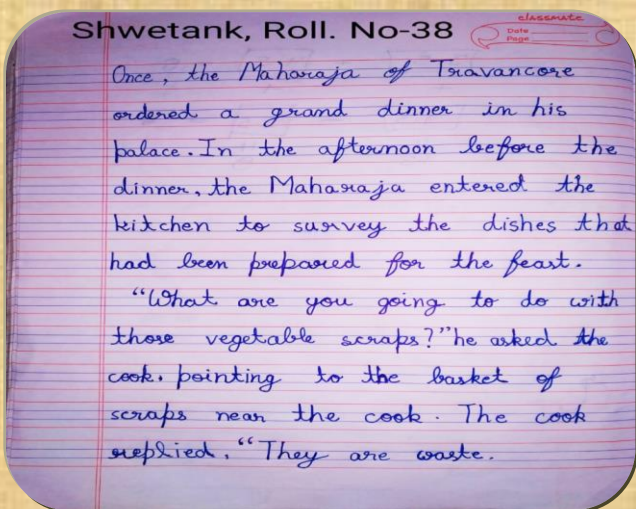

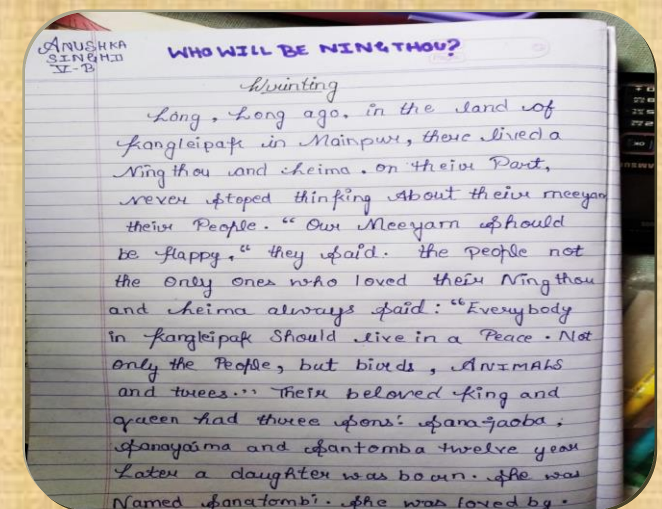

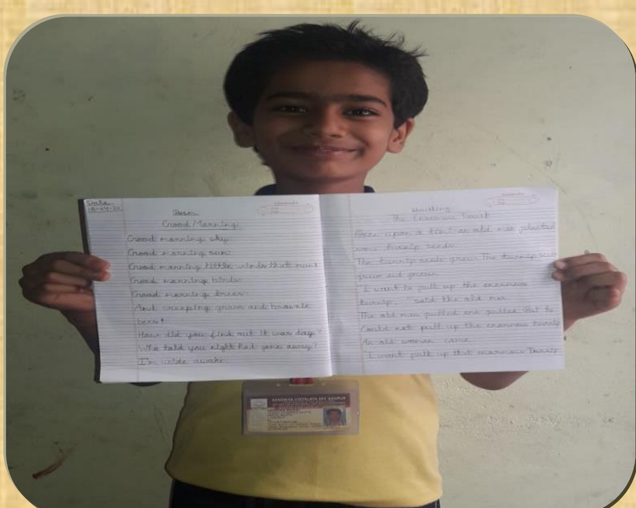

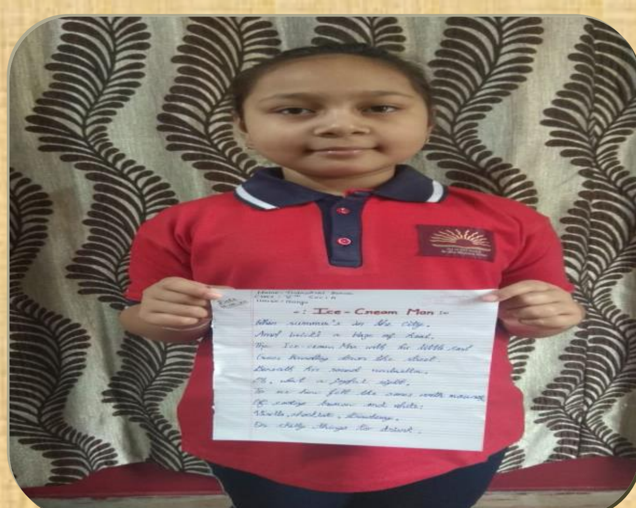

"The only thing most people do better, than anyone else is read their own HANDWRITING."

केंद्रीय विद्यालय ओ.ई.एफ के नन्हें मुन्ने बच्चों ने अपनी सुंदर लिखावट से ये साबित कर दिखाया कि वे भी बहुत सुंदर लिख सकते है।

POSTER MAKING–HEALTH, HYGINE & CLEANLINESS

"साफ सुथरा मेरा मन, देश मेरा सुंदर हो,
प्यार फैले सड़कों पर,
कचरा डिब्बे के अंदर हो।"

लॉकडाउन के समय नन्हें मुन्ने बच्चों ने कोरोना वायरस से संक्रमित होने से बचने के लिये स्वयम् एवम् अपने आस-पास के वातावरण को कैसे सुरक्षित रक्खा जाये, इसको चित्रों द्वारा सुंदर ढंग से प्रस्तुत किया है।

INTERNATIONAL YOGA DAY

"जो योग अपनाएगा,
वह रोगों को दूर भगाएगा"

हर वर्ष की भाँति इस वर्ष भी हमारे विद्यालय ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस सुचारु रूप से घर में रहकर मनाया। प्राचार्य, सभी शिक्षक एवं बच्चों ने बढ़चढ़कर हिस्सा लेकर फोटो भी प्रेषित की, इस प्रकार की गतिविधियों से पता चलता है, कि हमारे प्राचार्य की देखरेख में विद्यालय का हर कार्य भलीभाँति सम्पन्न हो रहा है।

ORIGAMI ACTIVITY

“जहाँ चाह वहाँ राह”

लॉकडाउन जैसी विषम परिस्थिति में भी नन्हें मुन्ने बच्चों ने घर के अनुपयोगी चीजों से व कागज़ को मोड़कर कोई आकर्षक वस्तु तैयार करना “जहाँ चाह वहाँ राह” कहावत सही साबित हुई इन प्रतिकूल परिस्थितियों में भी हमारे छात्र-छात्राओं ने हर क्रिया-कलाप को बखूबी अंजाम दिया, और उसी में ये Origami Activity भी शामिल है। बच्चों ने दिये गए निर्देशानुसार भिन्न-भिन्न प्रकार की चीजों को बनाया। जैसे: पर्स, चिड़िया, गेंद, नाव और बहुत सी चीजें।

इन क्रियाकलापों से बच्चों के अंदर छुपी प्रतिभा भी उजागर हुई।